
Shiva Ashtottarashata Nama Stotram 2

शिवष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् २

Document Information

Text title : Shiva Ashtottarashatanama stotram 2

File name : shivASHtTottaranAmashatakastotram2.itx

Category : aShTottarashatanAma, shiva, skandapurANA

Location : doc_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, stotrasankhyaA 211.

See corresponding nAmAvalI

Source : skandapurANE sahyAdrikhaNDe

Latest update : February 17, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

March 19, 2025

sanskritdocuments.org

Shiva Ashtottarashata Nama Stotram 2

शिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् २



श्रीगणेशाय नमः ।

देवा ऋचुः ।

ॐ जय शम्भो विभो रुद्र स्वयम्भो जय शङ्कर ।

जयेश्वर जयेशान जय सर्वज्ञ कामद ॥ १ ॥

नीलकण्ठ जय श्रीद श्रीकण्ठ जय धूर्जटे ।

अष्टमूर्तेऽनन्तमूर्ते मडामूर्ते जयानघ ॥ २ ॥

जय पापहरानङ्गानिःसङ्गाभङ्गनाशन ।

जय त्वं त्रिदशाधार त्रिलोकेश त्रिलोचन ॥ ३ ॥

जय त्वं त्रिपथाधार त्रिमार्ग त्रिभिर्जित ।

त्रिपुरारे त्रिधामूर्ते जयैकत्रिजटात्मक ॥ ४ ॥

शशिशेखर शूलेश पशुपाल शिवाप्रिय ।

शिवात्मक शिव श्रीद सुहृच्छ्रीशतनो जय ॥ ५ ॥

सर्व सर्वेश भूतेश गिरिश त्वं गिरीश्वर ।

जयोग्ररूप मीमेश भव भर्ग जय प्रभो ॥ ६ ॥

जय दक्षाध्वरध्वंसिन्न-धकध्वंसकारक ।

रुद्रमाविन् कपालिस्थं भुजङ्गाजिनभूषण ॥ ७ ॥

द्विगम्बर दिशां नाथ व्योमकेश चिताम्पते ।

जयाधार निराधार तस्माधार धराधर ॥ ८ ॥

देवदेव मडादेव देवतेशाद्वैदेवत ।

वह्निवीर्यं जय स्थाणो जयायोनिजसम्भव ॥ ९ ॥

भव शर्व मडाकाल तस्माङ्ग सर्पभूषण ।

त्र्यम्बक स्थपते वाचाम्पते भो जगताम्पते ॥ १० ॥

शिपिविष्ट विरुपाक्ष जय लिङ्ग वृषध्वज ।
नीललोहित पिङ्गाक्ष जय षट्पाङ्गमाङ्गन ॥ ११ ॥
कृत्तिवास अङ्घ्रिर्भुङ्ग्य मृडानीश जटाम्बुभृत् ।
जगद्भ्रातर्जगन्मातर्जगत्तात जगद्गुरो ॥ १२ ॥
पञ्चवक्त्र मडावक्त्र कालवक्त्र गजास्यभृत् ।
दशबाहो मडाबाहो मडावीर्य मडाबल ॥ १३ ॥
अघोरघोरवक्त्र त्वं सद्योजात उमापते ।
सदानन्द मडानन्द नन्दमूर्ते जयेश्वर ॥ १४ ॥
अेवमष्टोत्तरशतं नाम्नां देवकृतं तु ये ।
शम्भोर्भक्त्या स्मरन्तीह शृण्वन्ति य पठन्ति य ॥ १५ ॥
न तापास्त्रिविधास्तेषां न शोको न रुजादयः ।
ग्रहगोचरपीडा य तेषां क्वापि न विद्यते ॥ १६ ॥
श्रीः प्रज्ञाऽऽरोग्यमायुष्यं सौभाग्यं भाग्यमुन्नतिम् ।
विद्या धर्मो मतिः शम्भोर्भक्तिस्तेषां न संशयः ॥ १७ ॥
इति श्रीस्कन्दपुराणे सख्याद्रिभाण्डे
शिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

—
Shiva Ashtottarashata Nama Stotram 2
pdf was typeset on March 19, 2025
—

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

